नईदुनिया

खास-खबरें

ट्रेन में महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या

नईदुनिया ब्यूरो, नागरकोइल: तमिलनाडु के कन्याकुमारी स्थित नागरकोइल रेलवे यार्ड में 54 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला सामने आया है। 13 नवंबर की आधी रात खाली रेल डिब्बे में महिला का शव मिला। सफाई के दौरान शव मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। महिला की पहचान सांप की आकृति वाली सोने की अंगूठी पर दर्ज पहचान चिह्न से हुई। सीसीटीवी फुटेज में सफेद कपड़े पहने एक व्यक्ति डिब्बे से निकलता दिखाई दिया। पुलिस ने छह घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

46 करोड़ के इनामी मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ा

मैबिसको, एजेंसी: अमेरिकी जांच एजेंसी की सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल मादक पदार्थ तस्कर फॉस्टो इसिद्रो मेजा फ्लोरेस को मैक्सिको की सेना ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार रात बेसबॉल मैच के दौरान चलाए गए अभियान में हेलिकॉप्टर से भी गोलीबारी की गई। गोलीबारी की आवाज सुनकर दर्शकों में भगदड़ मच गई और खिलाड़ियों को मैदान छोड़ना पड़ा। मेजा फ्लोरेस मेजा-फ्लोरेस आपराधिक संगठन का प्रमुख है। उस पर अमेरिका में हेरोइन, कोकीन, फेंटानिल और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। अमेरिकी जांच एजेंसी ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने पर 50 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया था।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में 14 लोगों पर आरोप तय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली की विशेष त्वरित अदालत ने नीट-स्नातक 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में शनिवार को सभी 14 आरोपितों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी से जुड़े तीन विषय विशेषज्ञ भी शामिल हैं। राउज एवेन्यू स्थित अदालत में विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता के समक्ष पेश हुए सभी आरोपितों ने खुद को निर्दोष बताया और मुकदमे का सामना करने की बात कही। मामले की प्रतिदिन सुनवाई 25 नवंबर से शुरू होगी। अदालत ने आरोपितों के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार सहित विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं। 18 नवंबर को दिए गए 206 पृष्ठों के आदेश में अदालत ने कहा था कि प्रथम दृष्टया आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट: भारत की बढ़ती आर्थिक और सैन्य ताकत को चुनौती मानता है चीन

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की मदद करना चीन की रणनीति का हिस्सा

वॉशिंगटन, एजेंसी: ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सैन्य और तकनीकी सहायता देना चीन की रणनीति का हिस्सा था। चीन भारत की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति को अपने लिए चुनौती मानता है और उसे कमजोर करने के लिए विभिन्न मोर्चों पर प्रयास कर रहा है। अमेरिकी संसद के एक आयोग की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पाकिस्तान की मदद करने के साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ाई हैं। इसके अलावा भारत की चीन पर निर्भरता का लाभ उठाकर आवश्यक वस्तुओं और तकनीक की आपूर्ति प्रभावित करने की कोशिश भी की है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मिली मदद

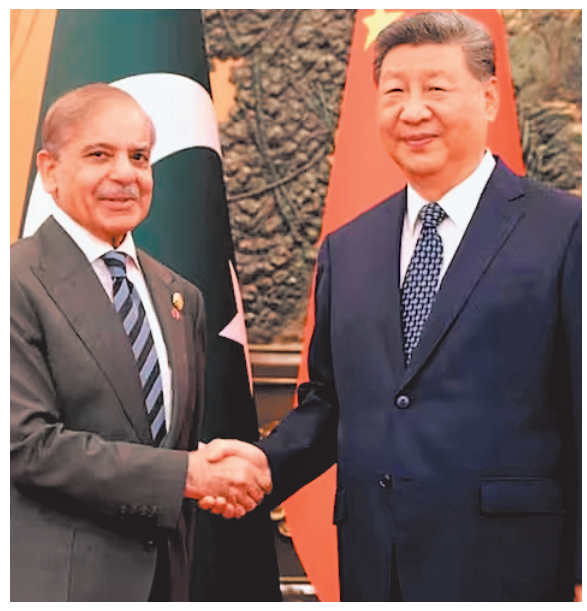
भारतीय सेना ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में सात मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सैन्य कार्रवाई के दौरान चीन ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता उपलब्ध कराई थी। चीन सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुआ, लेकिन उसकी मदद से पाकिस्तान की सैन्य क्षमता मजबूत हुई। रिपोर्ट में मई 2026 में चीन के सरकारी दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित एक साक्षात्कार का भी उल्लेख किया गया है। इसमें चीनी कंपनी एवीआईसी के अभियंता झांग हेंग ने बताया था कि संघर्ष के दौरान चीनी विशेषज्ञ पाकिस्तान में रहकर तकनीकी सहायता दे रहे थे। इसके अलावा भारतीय सैन्य अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान को चीन से उपग्रह तस्वीरें और खुफिया जानकारी भी मिली हो सकती है।

हिंद महासागर में बढ़ाई नौसैनिक मौजूदगी

रिपोर्ट में अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे और हिंद महासागर में उसकी बढ़ती नौसैनिक गतिविधियों को भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बताया गया है। अक्टूबर 2024 में भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए समझौता हुआ था। इसके बावजूद चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास अपनी सेना के लिए नए ठिकाने और अन्य सुविधाएं विकसित कर रहा है।

चीन के प्रभाव को संतुलित करना चाहता है अमेरिका

अमेरिकी आयोग का मानना है कि एशिया में चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत को देखते हुए भारत के साथ संबंध मजबूत करना अमेरिका के लिए जरूरी है। भारत की भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता उसे हिंद महासागर तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाती है। अमेरिका रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग बढ़ाकर चीन के प्रभाव को संतुलित करना चाहता है।



रक्षा समझौतों में देरी पर जताई चिंता

रिपोर्ट में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा तथा तकनीक से जुड़े समझौतों की धीमी प्रगति पर भी चिंता जताई गई है। इसकी वजह अमेरिका के निर्यात संबंधी नियम और भारत की खरीद प्रक्रिया से जुड़ी शर्तें बताई गई हैं। इसका उदाहरण अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच लड़ाकू विमानों के इंजन निर्माण की योजना है। दोनों देशों ने 2023 में जीई एफ414 इंजन का भारत में निर्माण करने पर सहमति जताई थी। हालांकि, कीमत और तकनीकी जांच से जुड़े मुद्दों पर बातचीत लंबी खिंचने के कारण 2026 तक भी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था।

भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तीन सुझाव

अमेरिकी आयोग ने भारत के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए तीन प्रमुख सुझाव दिए हैं। इनमें दोनों देशों के बीच दवा निर्माण में साझेदारी बढ़ाना और अमेरिका की ओर से कई वर्षों तक भारतीय दवाओं की खरीद की गारंटी देना शामिल है। इसके अलावा चीन की नौसेना की गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी नियमित रूप से भारत के साथ साझा करने तथा दलाई लामा के उत्तराधिकारी के मुद्दे पर भारत के साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि ये अमेरिकी आयोग के सुझाव हैं, इन्हें अमेरिकी सरकार की स्वीकृत नीति नहीं माना जा सकता।

पन्नू की हत्या की साजिश में निखिल गुप्ता को जेल

वर्ष 2023 में न्यूयॉर्क में हत्या की योजना बनाने का आरोप, शूटर के लिए एक लाख डॉलर देने की हुई थी बात



न्यूयॉर्क, एजेंसी: अमेरिका की एक अदालत ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 19 साल सात महीने जेल की सजा सुनाई है। 55 वर्षीय निखिल ने इस वर्ष की शुरुआत में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या की साजिश रचने और धनशोधन के आरोप स्वीकार कर लिए थे। शुक्रवार को सजा सुनाए जाने के दौरान उन्होंने अदालत में पन्नू और सिख समुदाय से माफी भी मांगी।

न्यूयॉर्क की दक्षिणी जिला अदालत के न्यायाधीश विक्टर मारेरो ने करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद फैसला सुनाया। इस दौरान निखिल ने लगभग छह मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह अपने किए को बदल नहीं सकते और उन्हें इसका अफसोस है। उन्होंने पन्नू, सिख समुदाय और इससे जुड़े लोगों से माफी मांगी। निखिल ने यह भी कहा कि इस मामले के कारण उनकी पत्नी, मां और बच्चों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने अदालत की सजा स्वीकार करने और जेल से बाहर आने के बाद बेहतर इंसान बनने की बात कही। सुनवाई के दौरान पन्नू ने भी अदालत में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि हत्या की साजिश का खुलासा होने के बाद से वह 1200 दिनों से अधिक समय तक सामान्य रूप से वकालत का काम नहीं कर पाए हैं। अदालत ने निखिल को सजा पूरी होने के बाद निगरानी में रिहाई देने का आदेश नहीं दिया। न्यायाधीश ने कहा कि जेल की सजा पूरी होने के बाद उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने की कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी।

अमेरिकी अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, वर्ष 2023 में निखिल ने भारत और अन्य देशों में मौजूद लोगों के साथ मिलकर पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। इसमें विकास यादव भी शामिल था। आरोप है कि यादव के कहने पर निखिल ने एक ऐसे व्यक्ति से संपर्क किया, जिसे वह अपराधी गिरोह से जुड़ा समझता था, जबकि वह अमेरिकी जांच एजेंसी का मुखबिर था।

रूस ने जेलेंस्की के गृहनगर पर दागीं मिसाइलें सात साल के बच्चे समेत दो की मौत, 60 घायल

लगातार दूसरी रात यूक्रेन पर रूसी हमला, अस्पताल, स्कूल और 25 इमारतों को नुकसान; यूक्रेन ने भी रूस के सीमावर्ती इलाकों में किए ड्रोन हमले



कीव/मॉस्को, एजेंसी: रूस ने लगातार दूसरी रात यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया। शुक्रवार रात रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह को निशाना बनाया। इस हमले में सात साल के बच्चे और 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि छह बच्चों समेत 60 लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार, हमले के बाद शहर में चार स्थानों पर आग लग गई। मिसाइल हमले से 25 बहुमंजिला इमारतों के अलावा अस्पताल, विद्यालय, दुकानों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। यूक्रेन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए रूस के सीमावर्ती ब्रियांस्क और बेलगोरोद क्षेत्रों में ड्रोन हमले किए। इन हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। क्रिवी रिह पर हमले से कुछ घंटे पहले पोलैंड में दो रूसी मिसाइलें और एक संदिग्ध ड्रोन गिरा। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने इसे उकसावे की कार्रवाई बताया। घटना के समय देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में यूरोपीय देशों का सैन्य अभ्यास चल रहा था। इसमें सैनिकों को यूक्रेन में युद्ध समाप्त होने के बाद संभावित शांति अभियान के लिए तैयार किया जा रहा है। इस घटना से रूस और यूरोपीय देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

रूस का ताजा हमला क्रीमिया पुल पर यूक्रेन के हमले के बाद हुआ है। यूक्रेन ने इस सप्ताह तीसरी बार इस पुल को निशाना बनाया था। क्रीमिया को रूस से जोड़ने वाला यह पुल सड़क और रेल मार्ग दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। रूस ने क्रीमिया पर कब्जे के बाद करीब 3.6 अरब डॉलर की लागत से इसका निर्माण कराया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को पुल पर हुए हमले पर नाराजगी जताते हुए कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

पोकरण में 'बघीरा' का सफल परीक्षण

आठ किलोमीटर दूर तक भेद सकती है लक्ष्य



नईदुनिया ब्यूरो, पोकरण: राजस्थान के पोकरण स्थित क्षेत्रीय परीक्षण स्थल पर अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी नई वाहन आधारित टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल प्रणाली बघीरा एटी-1 का सफल प्रदर्शन किया। 20 नवंबर को हुए इस परीक्षण में चार मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों ने दिन और रात दोनों समय निर्धारित लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदा। इस प्रदर्शन को भारतीय सेना, सैन्य कार्य विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषता एक ही लेजर किरण के माध्यम से दो मिसाइलें दागने की क्षमता है। कंपनी के अनुसार, यह आठ किलोमीटर तक दूरी पर स्थित बख्तरबंद वाहनों को निशाना बना सकती है। इसकी मारक क्षमता सामान्य जमीन आधारित टैंक रोधी मिसाइलों की तुलना में लगभग दोगुनी है। बघीरा एटी-1 को विकसित करने में 18 महीने लगे हैं। इसे भारतीय भूभाग, मौसम और सैन्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह रेडियो संपर्क के बजाय लेजर किरण के माध्यम से लक्ष्य का पीछा करती है, जिससे शत्रु की इलेक्ट्रॉनिक बाधा डालने वाली प्रणालियों का प्रभाव कम होता है। इस प्रणाली को चार पहियों वाले अत्यधिक गतिशील बख्तरबंद वाहन पर लगाया गया है।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने थामा भाजपा का दामन, पिछड़ा वर्ग मोर्चा में मिली जिम्मेदारी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा की नई कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया है। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सदस्य और मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। भाजपा ने शनिवार को अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और कार्यसमिति सदस्यों की नई सूची जारी की। अमरपाल मौर्य ने बताया कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई कार्यकारिणी में सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, तीन राष्ट्रीय महामंत्री, सात राष्ट्रीय सचिव और 37 राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

सात उपाध्यक्ष और तीन महामंत्री नियुक्त



नई कार्यकारिणी में असम के जोगेन मोहन, ओडिशा की ममता मोहंता, उत्तर प्रदेश के संगम लाल गुप्ता और संगीता बलवंत बिंद, महाराष्ट्र के बबनराव रावजी चौधरी, दिल्ली के सत प्रकाश राणा और बिहार के अर्जुन साहनी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं, दिल्ली के गजेंद्र यादव, कर्नाटक के प्रमोद मध्वराज और छत्तीसगढ़ के ललित चंद्राकर को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दो महीने पहले छोड़ा था प्रथम श्रेणी क्रिकेट: युजवेंद्र चहल ने करीब दो महीने पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। हालांकि, उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 क्रिकेट में भारत के लिए खेलने की संभावना बरकरार रखी है। उन्होंने भारत की ओर से अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला अगस्त 2023 में टी-20 प्रारूप में खेला था।

हरभजन सिंह को भी मिली थी जिम्मेदारी: इससे पहले 15 नवंबर को भाजपा ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और राघव चड्ढा को प्रदेश की घोषणा पत्र समिति में शामिल किया था। यह समिति चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र और दृष्टिपत्र तैयार करेगी। कई राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हुए थे।

13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई थी कार्यवाही, लोस की केवल साढ़े 17 घंटे चली बैठक

रिकॉर्ड: संसद का मानसून सत्र 100 दिन से अधर में परिसीमन विधेयक पर सरकार के फैसले का इंतजार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: संसद का वर्ष 2026 का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के 100 दिन बाद भी औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है। इसके साथ ही संसद के इतिहास में नया रिकॉर्ड बन गया है। इससे पहले वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र 87 दिन तक बिना औपचारिक समापन के रहा था। मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अब तक दोनों सदनों का सत्रावसान नहीं हुआ है। इस बीच महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का विशेष या विस्तारित सत्र बुलाए जाने की चर्चा है। हालांकि,



सरकार ने इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका उद्देश्य वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता तैयार करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रत्येक राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। एक प्रस्ताव में 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बनाए रखने की बात भी शामिल है। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। सरकार मानसून सत्र के औपचारिक समापन की घोषणा नहीं कर रही है। वहीं, दिसंबर के पहले सप्ताह में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक है, जबकि नया सत्र बुलाने के लिए 14 दिन का नोटिस देना होता है। संविधान में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित सदन का सत्रावसान करने की कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित नहीं है। मानसून सत्र के दौरान लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। इस दौरान कुल 114 घंटे काम होना था, लेकिन कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट चली। इस तरह करीब 96 घंटे 30 मिनट कामकाज नहीं हो सका। राज्यसभा में भी 19 बैठकें हुईं। यहां 114 घंटे के निर्धारित समय में करीब 37 घंटे 24 मिनट ही कार्यवाही चली, जबकि लगभग 76 घंटे 36 मिनट कामकाज प्रभावित रहा।

जिंदगी की जंग लड़ रहे नन्हे हाथी राजा को मिली नई उम्मीद, चार घंटे की उड़ान से पहुंचा वनतारा

नईदुनिया ब्यूरो, जामनगर: असम में जन्म के बाद से गंभीर रूप से बीमार सात सप्ताह के हाथी 'राजा' को बेहतर उपचार के लिए शुक्रवार को विशेष विमान से जामनगर स्थित वनतारा पहुंचाया गया। अनंत अंबानी की पहल पर उसे असम से हवाई मार्ग के जरिए यहां लाया गया है। राजा के जन्म के समय उसकी मां ने घबराहट में लात मार दी थी, जिससे उसके पिछले दाएं पैर की जांघ की हड्डी टूटकर खिसक गई थी। इसके कारण वह खड़ा भी नहीं हो पा रहा था और उसे मां का दूध भी नहीं मिल सका।

राजा का जन्म दो अक्टूबर को असम के गोगामुख में हुआ था। उसकी गंभीर हालत की जानकारी मिलने के बाद वनतारा की चिकित्सकीय टीम आठ अक्टूबर को असम पहुंची थी। जांच में हड्डी टूटने की पुष्टि होने पर पैर में प्लास्टर चढ़ाया गया। शरीर पर मौजूद घावों को भरने के लिए भी उपचार किया गया। टीम ने विशेष सहारा देकर उसे मां के दूध का विकल्प उपलब्ध कराया और चौबीसों घंटे देखभाल की।

मां का दूध नहीं मिलने और चलने-फिरने में असमर्थता के कारण राजा की सेहत लगातार प्रभावित हुई। उसे कई दिनों तक दस्त की शिकायत रही, जिससे शरीर कमजोर हो गया। इस दौरान वह क्लेबसिएला न्यूमोनिया जीवाणु के संक्रमण की चपेट में भी आ गया। कई बार रक्त में शर्करा का स्तर कम हुआ और यकृत पर दबाव बढ़ा। लगातार लेटे रहने के कारण उसके सिर पर भी गहरे घाव हो गए। इनके उपचार के लिए प्रतिजैविक दवाएं, तरल पदार्थ और विटामिन दिए गए। शुक्रवार को राजा को पहले एंबुलेंस से असम के पाहूमारा गांव से गुवाहाटी हवाई अड्डे लाया गया। चार घंटे की उड़ान के लिए उसके आकार के अनुसार विशेष पेटी तैयार की गई थी। इसके बाद उसे जामनगर पहुंचाया गया। वनतारा के अस्पताल में अब उसकी टूटी हड्डी का विशेष उपचार और पोषण संबंधी देखभाल की जाएगी।

कूटनीति *विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा- अमेरिका हमले न करने की गारंटी दे...*

ईरान ने यूरेनियम दूसरे देश को सौंपने से किया इन्कार

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी: ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह संवर्धित यूरेनियम किसी दूसरे देश को नहीं सौंपेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका को यह गारंटी देनी होगी कि शांति समझौता होने के बाद वह दोबारा ईरान पर हमला नहीं करेगा। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। ईरान के सरकारी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि उनका देश केवल मौजूदा युद्ध से बाहर निकलने के लिए कोई भी समझौता नहीं करेगा। ईरान ऐसा करार चाहता है, जो लंबे समय तक कायम रहे और जिसके बाद दोबारा संघर्ष की स्थिति पैदा न हो। उन्होंने जून में हुए युद्धविराम का उल्लेख करते हुए कहा कि समझौते के केवल 15 दिन बाद फिर लड़ाई शुरू हो गई थी। इसलिए इस बार ईरान किसी भी समझौते से पहले अमेरिका से ठोस गारंटी चाहता है।



कतर के अधिकारियों से मिले अमेरिकी प्रतिनिधि

दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त कराने के प्रयास भी जारी हैं। समाचार एजेंसी एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने गुरुवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कतर के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में युद्ध समाप्त करने के रास्तों पर चर्चा हुई, हालांकि कोई बड़ी सफलता नहीं मिली। इससे पहले ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने दोहा में कतर के अधिकारियों से बातचीत की थी।

28 फरवरी को शुरू हुआ था संघर्ष

28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए उसके कई ठिकानों पर संयुक्त हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य भी बंद कर दिया था। इस मार्ग से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल और गैस की आपूर्ति होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना सैन्य कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य बताया है।

ट्रम्प के रुख पर उठाए सवाल

अराघची ने कहा कि ईरान की पहली मांग है कि ट्रम्प स्पष्ट करें कि वे वास्तव में दोनों देशों के बीच समझौता करना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रम्प एक दिन कुछ कहते हैं और अगले दिन अपना रुख बदल लेते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने वादे पूरे करने होंगे। अराघची ने दावा किया कि ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में समझौता ज्ञापन तैयार हुआ था, जिस पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के हस्ताक्षर भी हुए थे। हालांकि, अमेरिका ने इसकी एक महत्वपूर्ण शर्त का पालन नहीं किया, जिसके बाद यह समझौता लागू नहीं माना जा सकता।